INTERNATIONAL JOURNAL OF EXPLORING EMERGING TRENDS IN ENGINEERING
Peer-Reviewed, Refereed, Indexed and International Journal, https://ijoeete.com/
|ISSN No. 2394-0573 |Volume: 1, Issue: 01 | July - Dec 2023

माध्यमिक विद्यालयों के शिक्षकों की व्यावसायिक संतुष्टि का अध्ययन

डा०सुरक्षा बंसल
शोध निर्देशिका
शिक्षाशास्त्र विभाग
मालवांचल विश्वविद्यालय
इन्दौर, मध्य प्रदेश

धीर सिंह
शोधार्थी
शिक्षाशास्त्र विभाग
मालवांचल विश्वविद्यालय
इन्दौर, मध्य प्रदेश

सारांश

प्रस्तुत अध्ययन में शिक्षकों की व्यावसायिक संतुष्टि के साथ व्यक्तिगत विशेषताओं, नौकरी की विशेषताओं का पता लगाता है। इस अध्ययन का न्यादर्श का आकार आनुपातिक यादृच्छिक नमूने का उपयोग करके प्राप्त किया गया था, जिसके परिणामस्वरूप कुल 400 शिक्षक पाए गए, जिनके पास अपेक्षित योग्यता थी। व्यावसायिक संतुष्टि के संदर्भ में पुरूष एवं महिला शिक्षकों की व्यावसायिक संतुष्टि में कोई अंतर नहीं पाया गया। साथ ही ग्रामीण एवं शहरी शिक्षकों की व्यावसायिक संतुष्टि में भी कोई अंतर नहीं पाया गया।

कुंजी शब्द— व्यावसायिक संतुष्टि एवं माध्यमिक विद्यालय

प्रस्तावना

शिक्षा के क्षेत्र में शिक्षक की व्यावसायिक संतुष्टि एक महत्वपूर्ण मुद्दा है। यह पिछले तीन दशकों से दिखाया गया है, कई अध्ययनों ने माध्यमिक विद्यालय के शिक्षकों के लिए शिक्षकों की संतुष्टि के स्रोतों की पहचान करने का प्रयास किया है अधिकांश अध्ययनों के अनुसार, शिक्षक व्यावसायिक संतुष्टि स्पष्ट रूप से शिक्षण के प्रति प्रेम और बच्चों के प्रति प्रेम के कारण पेशे में प्रवेश करने से जुडी आंतरिक प्रेरणा के स्तर से परिलक्षित होती है। इसके विपरीत, शिक्षकों ने व्यवसाय में असंतोष को मुख्य रूप से काम के बोझ, कम वेतन और समाज में शिक्षकों को कैसे देखा जाता है, के कारण जिम्मेदार माना। वास्तविक कक्षा में शिक्षण और सीखने की प्रक्रिया को मजबूत करने के लिए शिक्षकों की व्यावसायिक संतुष्टि में सुधार के प्रयासों के महत्व पर जोर दिया। शिक्षक की व्यावसायिक संतुष्टि आवश्यक है ताकि कार्य तनाव उत्पन्न न हो। इस प्रकार, यदि शिक्षक की व्यावसायिक संतुष्टि को गंभीरता से नहीं लिया गया तो यह सीखने की गुणवत्ता को प्रभावित करेगा।

व्यावसायिक संतुष्टि

व्यावसायिक संतुष्टि संतुष्टि की एक व्यक्तिगत और व्यक्तिपरक भावना है जो किसी व्यक्ति के अपने कार्य वातावरण के मूल्यांकन से प्राप्त होती है। यह इस बात से प्रभावित होती है कि किसी व्यक्ति की जरूरतें उसकी नौकरी में किस हद तक पूरी होती हैं। जब ये जरूरतें पूरी नहीं होती हैं, तो यह उनके कर्तव्यों को प्रभावी ढंग से और ईमानदारी से निभाने की उनकी क्षमता में बाधा डाल सकती है। असंतोष किसी व्यक्ति की अपने व्यवसाय के प्रति समग्र धारणा और भावनाओं से उत्पन्न हो सकता

है, जिसमें काम की परिस्थितियाँ, वेतन, अवसर और सहकर्मियों के साथ संबंध जैसे कारक शामिल हैं। यह रवैया उनकी उत्पादकता और समग्र नौकरी की संतुष्टि को महत्वपूर्ण रूप से प्रभावित कर सकता है। इसके अतिरिक्त, जब लोगों के साथ सम्मान से पेश आया जाता है और उन्हें अपने पेशेवर लक्ष्यों तक पहुँचने में सहायता मिलती है, तो वे अपने काम से संतुष्ट होने की अधिक संभावना रखते हैं।

होपॉक (1935) ने किसी व्यक्ति की नौकरी में समग्र संतुष्टि को प्रभावित करने में इन कारकों के संयोजन पर जोर दिया है। संगठनात्मक और वाणिज्यिक प्रबंधन के क्षेत्र में, कार्यस्थल के भीतर सफलता और उत्पादकता के स्तर को निर्धारित करने में व्यावसायिक संतुष्टि महत्वपूर्ण है। इसमें किसी व्यक्ति या समूह और संगठन के लक्ष्यों और लाभों के बीच संबंध शामिल होता है, जो उनकी कार्य स्थिति, सहकर्मियों और कार्य वातावरण के प्रति दृष्टिकोण को दर्शाता है। अंतत:, व्यावसायिक संतुष्टि व्यक्तियों और संगठनों दोनों की समग्र भलाई और सफलता को आकार देने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाती है।

शिक्षकों की व्यावसायिक संतुष्टि

शिक्षा के क्षेत्र में, शिक्षकों को अपने पेशे में जिस स्तर की संतुष्टि का अनुभव होता है, वह शैक्षिक प्रक्रिया की समग्र सफलता में महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है। जो शिक्षक अपने काम को सकारात्मक दृष्टिकोण से देखते हैं, वे अधिक कुशल होते हैं और प्रभावी ढंग से सीखने में सहायता करने के लिए बेहतर ढंग से सुसज्जित होते हैं। इसके विपरीत, जो शिक्षक अपने पेशे के प्रति नकारात्मक भावना रखते हैं, वे अपना सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करने के लिए संघर्ष कर सकते हैं। यह इस तथ्य से स्पष्ट है कि संतुष्ट शिक्षक अधिक कुशलता से ज्ञान प्रदान करने में सक्षम होते हैं, जिसके परिणामस्वरूप छात्रों का प्रदर्शन बेहतर होता है। दूसरी ओर, जो शिक्षक अपने पेशे से असंतुष्ट होते हैं, वे अक्सर खुद को चिंता और तनाव की भावनाओं से जूझते हुए पाते हैं, जो उनके छात्रों को प्रभावी ढंग से शिक्षित करने की उनकी क्षमता को बाधित कर सकता है। नतीजतन, असंतुष्ट शिक्षकों की उपस्थिति एक महत्वपूर्ण चुनौती बन जाती है, क्योंकि उनकी प्रेरणा की कमी अनुत्पादक शिक्षण प्रथाओं को जन्म दे सकती है जो अंतत: शैक्षिक प्रक्रिया में बाधा डालती है।

समस्या कथन

माध्यमिक विद्यालयों के शिक्षकों की व्यावसायिक संतुष्टि का अध्ययन

अध्ययन में प्रयुक्त चरों की संक्रियात्मक परिभाषा

समस्या का विवरण अध्ययन में प्रयुक्त शब्दों को अध्ययन में निम्नलिखित परिचालनात्मक अर्थ

INTERNATIONAL JOURNAL OF EXPLORING EMERGING TRENDS IN ENGINEERING
Peer-Reviewed, Refereed, Indexed and International Journal, https://ijoeete.com/
|ISSN No. 2394-0573 |Volume: 1, Issue: 01 | July - Dec 2023

रखने के लिए परिचालनात्मक रूप से परिभाषित किया गया है—

व्यावसायिक संतुष्टि

व्यावसायिक संतुष्टि को किसी व्यक्ति द्वारा चुने गए करियर या नौकरी के प्रति महसूस किए जाने वाले संतोष और तृप्ति के स्तर के रूप में वर्णित किया जा सकता है। इसमें किसी के पेशे के प्रति खुशी और सकारात्मकता की भावना शामिल है, जो किसी व्यक्ति द्वारा किए जाने वाले काम के लिए संतुष्टि और प्रशंसा की मानसिक स्थिति को दर्शाता है। विशेष रूप से, व्यावसायिक संतुष्टि शिक्षकों द्वारा शिक्षक के रूप में अपनी भूमिका में अनुभव की जाने वाली संतुष्टि से संबंधित है, दूसरों को शिक्षित करने और प्रेरित करने के लिए अपने कौशल और प्रतिभा का उपयोग करने में संतुष्टि पाती है। व्यावसायिक संतुष्टि किसी व्यक्ति के काम के संबंध में संतुष्टि की एक व्यक्तिगत और व्यक्तिपरक भावना है। यह एक सकारात्मक भावनात्मक प्रतिक्रिया है जो इस बात से उत्पन्न होती है कि कोई व्यक्ति अपनी नौकरी को कैसे देखता और उसका मूल्यांकन करता है। दूसरी ओर, नौकरी की संतुष्टि एक व्यापक अवधारणा है जो किसी व्यक्ति के अपने कार्य वातावरण के समग्र मूल्यांकन और उसकी जरूरतों को कितनी अच्छी तरह से पूरा किया जा रहा है, को शामिल करती है। जब किसी व्यक्ति की जरूरतें पूरी नहीं होती हैं, तो यह उसके कर्तव्यों को प्रभावी ढंग से और ईमानदारी से निभाने की उसकी क्षमता में बाधा डाल सकती है। असंतोष किसी व्यक्ति की अपने व्यवसाय के प्रति भावनाओं से प्रभावित हो सकता है, जिसमें नौकरी के बारे में उसकी सामान्य राय और काम करने की स्थिति, वेतन, विकास के अवसर और सहकर्मियों के साथ संबंध जैसे विशिष्ट पहलू शामिल हैं। ये दृष्टिकोण उत्पादकता जैसे परिणामों को प्रभावित कर सकते हैं। इसके अलावा, जब कर्मचारियों के साथ सम्मान से व्यवहार किया जाता है और वे अपने लक्ष्यों को प्राप्त करने की अपनी क्षमता में आत्मविश्वास महसूस करते हैं, तो वे अपनी नौकरी में संतुष्ट महसूस करते हैं।

प्रस्तुत शोध अध्ययन के उद्देश्य

प्रस्तुत शोध अध्ययन के उद्देश्य निम्नवत् हैं—

उद्देश्य—1.0 माध्यमिक विद्यालय में कार्यरत महिला एवं पुरूष शिक्षकों की व्यावसायिक संतुष्टि का तुलनात्मक अध्ययन।

उद्देश्य—2.0 माध्यमिक विद्यालय में कार्यरत ग्रामीण एवं शहरी शिक्षकों की व्यावसायिक संतुष्टि का तुलनात्मक अध्ययन।

प्रस्तुत शोध अध्ययन की परिकल्पनायें

INTERNATIONAL JOURNAL OF EXPLORING EMERGING TRENDS IN ENGINEERING
Peer-Reviewed, Refereed, Indexed and International Journal, https://ijoeete.com/
|ISSN No. 2394-0573 |Volume: 1, Issue: 01 | July - Dec 2023

प्रस्तुत शोध अध्ययन की परिकल्पनाएँ इस प्रकार हैं—

परिकल्पना—1.0 माध्यमिक विद्यालय में कार्यरत महिला एवं पुरूष शिक्षकों की व्यावसायिक संतुष्टि में कोई सार्थक अन्तर नहीं है।

परिकल्पना—2 माध्यमिक विद्यालय में कार्यरत ग्रामीण एवं शहरी शिक्षकों की व्यावसायिक संतुष्टि में कोई सार्थक अन्तर नहीं है।

अध्ययन की शोध विधि

प्रस्तुत शोध में शोधार्थी ने अध्ययन से सम्बन्धित समस्या को दृष्टिगत रखते हुए वर्णनात्मक **'सर्वेक्षण विधि'** को चुना यह अनुसंधान माध्यमिक विद्यालय के शिक्षकों से सम्बन्धित है। सर्वेक्षण विधि वर्तमान से सम्बन्धित होती है तथा इसके द्वारा अनुसंधान में सम्मिलित घटना स्तर की स्थिति को निश्चित करने का प्रयास किया जाता है।

शोध का न्यादर्श

प्रस्तुत शोध अध्ययन में मेरठ जिले के अर्न्तगत आने वाले माध्यमिक स्तर के (जिसमें कक्षा 9 से 10 संचालित होती है) विद्यालयों में अध्यापनरत शिक्षकों (पुरूष एवं महिला) को सम्मिलित किया गया है।

शोध के उपकरण—

शोधार्थी द्वारा प्रस्तुत शोध अध्ययन में निम्नलिखित मानकीकृत उपकरणों का प्रयोग किया है—

व्यावसायिक सन्तुष्टि मापनी (JSS) आई.एस. मुबेर एवं प्रतिभा भाटिया

शोध अध्ययन में प्रयुक्त सांख्यिकीय प्रविधियाँ

शोधार्थी ने अपने शोध अध्ययन के सन्दर्भों में प्रदत्तों के विश्लेषण हेतु वर्णनात्मक सांख्यिकी प्रविधि जैसे— मध्यमान, मानक विचलन एवं टी—परीक्षण का प्रयोग किया गया है।

आंकडों का विश्लेषण एवं व्याख्या

प्रस्तुत शोध अध्ययन में एकत्रित आंकड़ों की साख्यिकीय गणना के पश्चात् निम्नवत् परिणाम प्राप्त हुए है—

परिकल्पना—1 माध्यमिक विद्यालय में कार्यरत महिला एवं पुरूष शिक्षकों की व्यावसायिक संतुष्टि में कोई सार्थक अन्तर नहीं है।

तालिका 4.1

माध्यमिक विद्यालयों में कार्यरत पुरूष एवं महिला शिक्षकों की व्यावसायिक संतुष्टि का मध्यमान, मानक विचलन व टी—मान

INTERNATIONAL JOURNAL OF EXPLORING EMERGING TRENDS IN ENGINEERING
Peer-Reviewed, Refereed, Indexed and International Journal, https://ijoeete.com/
|ISSN No. 2394-0573 |Volume: 1, Issue: 01 | July - Dec 2023

क्रस.	समूह	संख्या	मध्यमान	मानक विचलन	टी—मूल्य	सार्थकता स्तर
1.	पुरूष शिक्षक	200	104.57	10.49	**0.52**	**सार्थक**
2.	महिला शिक्षक	200	105.20	13.53		

तालिका 4.1 का अवलोकन करने पर ज्ञात होता है कि माध्यमिक विद्यालयों में कार्यरत पुरूष शिक्षकों की व्यावसायिक संतुष्टि से सम्बन्धित आंकड़ों का मध्यमान 104.57 तथा मानक विचलन 10.49 प्राप्त हुआ जबकि महिला शिक्षकों की व्यावसायिक संतुष्टि से सम्बन्धित आंकड़ों का मध्यमान 105.20 तथा मानक विचलन 13.53 प्राप्त हुआ। मध्यमान का अवलोकन करने पर पुरूष शिक्षकों की व्यावसायिक संतुष्टि का मध्यमान निम्न पाया गया।

प्राप्त आंकड़ों के सांख्यिकीय विश्लेषण द्वारा परिकलित टी—मूल्य **0.52** प्राप्त हुआ। जो सार्थकता के दोनों स्तर पर स्वतन्त्रता के अंश 398 पर सारणी में दिए गए टी—मूल्य के मान 0.05 पर 1.96 से कम है। अत: शून्य परिकल्पना 'माध्यमिक विद्यालयों में कार्यरत पुरूष एवं महिला शिक्षकों की व्यावसायिक संतुष्टि में सार्थक अन्तर नहीं है' स्वीकृत की जाती है।

परिकल्पना—2 माध्यमिक विद्यालय में कार्यरत ग्रामीण एवं शहरी शिक्षकों की व्यावसायिक संतुष्टि में कोई सार्थक अन्तर नहीं है।

तालिका 4.2

माध्यमिक विद्यालय में कार्यरत ग्रामीण एवं शहरी शिक्षकों की व्यक्तिगत मूल्यों के प्रति जवाबदेही का मध्यमान, मानक विचलन व टी—मान

क्रस.	समूह	संख्या	मध्यमान	मानक विचलन	टी—मूल्य	सार्थकता स्तर
1.	पुरूष शिक्षक	200	115.28	13.47	**0.53**	**सार्थक**
2.	महिला शिक्षक	200	114.53	14.60		

तालिका 4.2 का अवलोकन करने पर ज्ञात होता है कि माध्यमिक विद्यालयों में कार्यरत ग्रामीण शिक्षकों की व्यावसायिक संतुष्टि से सम्बन्धित आंकड़ों का मध्यमान 115.28 तथा मानक विचलन 13.47 प्राप्त हुआ जबकि शहरी शिक्षकों की व व्यावसायिक संतुष्टि से सम्बन्धित आंकड़ों का मध्यमान 114.53 तथा मानक विचलन 14.60 प्राप्त हुआ। मध्यमान का अवलोकन करने पर शहरी शिक्षकों की व्यावसायिक संतुष्टि का मध्यमान निम्न पाया गया।

प्राप्त आंकड़ों के सांख्यिकीय विश्लेषण द्वारा परिकलित टी—मूल्य **0.53** प्राप्त हुआ। जो सार्थकता के दोनों स्तर पर स्वतन्त्रता के अंश 398 पर सारणी में दिए गए टी—मूल्य के मान 0.05 पर 1.96 से अधिक है। अत: शून्य परिकल्पना 'माध्यमिक विद्यालयों में कार्यरत ग्रामीण एवं शहरी शिक्षकों की व्यावसायिक संतुष्टि में सार्थक अन्तर नहीं है' स्वीकृत की जाती है।

निष्कर्ष

शिक्षा का केन्द्र बिन्दु विद्यार्थी होता है। शिक्षक को केवल शिक्षाविद होना ही आवश्यक नहीं वरन् शिक्षण में उसकी व्यावसायिक संतुष्टि, कार्य कुशलता के साथ शिक्षण प्रभावाशीलता, के गुणों को भी सम्मिलित किया जाता है। ऐसा माना जाता है कि शिक्षक, शिक्षण कार्यो को जितना अधिक प्रभावी बनायेगा उसकी विद्यार्थियों के साथ अन्त:क्रिया उतनी ही अधिक प्रभावी होगी जिससे उसकी कार्य क्षमता एवं व्यावसायिक संतुष्टि में अत्यधिक वृद्धि होगी। शिक्षा का मुख्य उद्देश्य मन में व्याप्त जिज्ञासाओं को जाग्रत करना, अधिगम शिक्षण कौशल प्रक्रिया को सीखना है।

सन्दर्भ सूची

1- अडावल, एस.बी. (1976) 'शिक्षक शिक्षा समस्याएं और परिप्रेक्ष्य' एन.सी.ई.आर.टी., नई दिल्ली।

2- एंड्रयूज, रिचर्ड (1995) 'टीचिंग एंड लर्निंग आर्गुमेंट', कैसल, वाशिंगटन हाउस।

3- एस्पी, डी.एन., रोएबक, एफ.एन. (1982) 'अफेक्टिव एजुकेशन साउंड इन्वेस्टमेंट'एन.सी.ई. आर.टी., नई दिल्ली।

4- बैरिंगटन, (1989) 'सीखने में भागीदारी' जॉर्ज एलन अनविन लिमिटेड द्वारा प्रकाशित।

5- वाल्टर. एस, (1950) 'शिक्षण अधिगम सिद्धांत और शिक्षक शिक्षा' यूनिवर्सिटी प्रेस, इल्यूजन्स, मॉरिसस।

6- www.eric.ed.gov/ERIC.

7- www.questia.com/google

8- www.usca.edu/essays/vol182006/ololuble.pdf

9- www.emeraldinsinght.com/Insight/viewcontent.

10- www.research4development.info/pdf/outputs/policystrategy/3888teachermotivationlesotho.pdf